आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
Government of India
Ministry of Education

कला उत्सव

Kala Utsav 2021: Guidelines | कला उत्सव 2021: दिशानिर्देश

कला उत्सव 2021 : दिशानिर्देश

Kala Utsav 2021 : Guidelines

नवंबर 2021
कार्तिक 1943
PD 5H RPS & BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2021

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित।

विषय-सूची

1. कला उत्सव – एक विरासत **1–3**

2. कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश **4–8**

2.1 कला के प्रकार

2.2 पात्रता

2.3 राष्ट्रीय कला उत्सव

2.4 प्रविष्टियाँ

2.4.1 प्रविष्टियों हेतु प्रारूप

2.4.2 वीडियो फ़िल्म

2.4.3 मूल पाठ सारांश (लेखन)

2.5 पुरस्कार

3. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड **9–13**

3.1 संगीत (गायन) – एकल प्रस्तुति

3.2 संगीत (वादन) – एकल प्रस्तुति

3.3 नृत्य – एकल प्रस्तुति

3.4 दृश्य कला

4. राज्य एवं संघ शासित प्रदेश के सचिव और के.वि.सं. एवं न.वि.सं. आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व **14**

परिशिष्ट – I **15**

परिशिष्ट – II **17**

CONTENT

1.	**Kala Utsav — The Legacy**	**18-20**
2.	**General Guidelines for Kala Utsav**	**21-24**
	2.1 Art Forms	
	2.2 Eligibility	
	2.3 National Level Kala Utsav	
	2.4 Entries	
	2.4.1 Proforma for submitting entries	
	2.4.2 Video film	
	2.4.3 Textual summary (write-up)	
	2.5 Awards	
3.	**Guidelines for National Level Competitions**	**25-29**
	3.1 Vocal Music Solo	
	3.2 Instrumental Music Solo	
	3.3 Dance Solo	
	3.4 Visual Arts	
4.	**Role and Responsibilities of the State/UT Secretary and KVS and NVS Commissioners**	**30**
	Annexure – I	**31**
	Annexure – II	**32**

1. कला उत्सव – एक विरासत

कला उत्सव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, की वर्ष 2015 से एक ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना, उसे पोषित करना, प्रस्तुत करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। शिक्षा मंत्रालय माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध और कलात्मक अनुभवों की आवश्यकता और इसके द्वारा विद्यार्थियों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता का ज्ञान प्रदान करने को मान्यता देता रहा है। कला शिक्षा (संगीत, नाटक, नृत्य, दृश्य कलाओं एवं ललित कलाओं) के संदर्भ में की जा रही यह पहल *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — 2005* की अनुशंसाओं पर आधारित है।

कला उत्सव का आरम्भ वर्ष 2015 में हुआ था। यह स्कूलों में कलाओं के उत्सव की वह पहल है जो प्रत्येक वर्ष आयोजित हो रही है। ज़िला/राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव की संरचना इस प्रकार की गई है जिसमें कला प्रस्तुतियाँ एवं प्रदर्शनियाँ सम्मिलित हैं। कला उत्सव की संरचनात्मक प्रक्रिया, विद्यार्थियों को भारत की विभिन्न जीवंत एवं पारंपरिक कलाओं के अनुसंधान, उन्हें समझने एवं उनके प्रस्तुतीकरण में सहायक होती

है। यह उत्सव विद्यार्थियों में भारत की ज़िला/राज्य/राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवंत विविधता के प्रति जागरूकता लाने एवं उत्सव मनाने का मंच प्रदान करता है। यह उत्सव न केवल विद्यार्थियों में, बल्कि उनसे जुड़े सभी व्यक्तियों में भी संस्कृति का प्रचार-प्रसार करता है। भविष्य में यह उत्सव शिल्पकारों, कलाकारों और संस्थाओं को विद्यालयों के साथ जोड़ने में सहायता प्रदान करेगा।

कला उत्सव की परिकल्पना एक समन्वित मंच उपलब्ध कराने का प्रयास है, जहाँ सामान्य एवं दिव्यांग विद्यार्थी (विशेष आवश्यकता समूह वाले विद्यार्थी), भिन्न क्षमताओं और विभिन्न आर्थिक-सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थी एक साथ अपनी क्षमताओं का उत्सव मना सकें। यह उनकी प्रतिभा को पोषित करने एवं दिखाने हेतु, उचित अवसर एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा और सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया को और अधिक मूर्त, रचनात्मक एवं आनंददायी बनाएगा। सभी विद्यार्थियों – सामान्य छात्र, छात्राएँ, वंचित वर्ग से आए विद्यार्थी तथा दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा एक साथ मंच साझा करने से बहुत-सी पूर्वगामी सामाजिक रूढ़ियाँ टूटेंगी।

कला उत्सव केवल एक बार में ही समाप्त हो जाने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह कलात्मक अनुभव को पहचानने, खोजने, अभ्यास करने और प्रदर्शन की सम्पूर्ण प्रक्रिया का प्रथम चरण है। एक बार इस प्रक्रिया का हिस्सा बनने के बाद, प्रतिभागी विद्यार्थी अपनी जीवंत कला शैली को प्रस्तुत करने के साथ-साथ, उस सांस्कृतिक अनुभव एवं मूल्यों पर आधारित जीवन जिएँगे।

नयी शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया गया है। नयी शिक्षा नीति के अनुसार, "भारतीय संस्कृति और दर्शन का विश्व में बड़ा प्रभाव रहा है। वैश्विक महत्व की इस समृद्ध विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए न सिर्फ़ सहेज कर संरक्षित रखने की ज़रूरत है, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था द्वारा उस पर शोध कार्य होने चाहिए, उसे और समृद्ध किया जाना चाहिए और उसमें नए-नए उपयोग भी सोचे जाने चाहिए।" (राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020)

यह नीति छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक विकास एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के महत्व पर प्रकाश डालती है जिसके फलस्वरूप, उनमें अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ अपनी संस्कृति के प्रति जुड़ाव तथा अन्य संस्कृतियों की सराहना करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। नयी शिक्षा नीति छात्र-छात्राओं के बीच विकसित होने वाली आगामी सांस्कृतिक अवधारणा को एक प्रमुख योग्यता एवं गुण के रूप में पहचानती है तथा कला को इस ज्ञान को प्रदान करने के लिए मुख्य माध्यम के रूप में प्रस्तावित करती है। यह नीति विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने में कला की क्षमता को भी इंगित करती है। कला उत्सव, 2021 को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत का अन्वेषण, आदान-प्रदान और अनुभव करने के लिए, एक उचित मंच बनाने हेतु, नयी शिक्षा नीति की परिकल्पना को इसमें सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है।

2. कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश

कोविड –19 महामारी के प्रकोप की वर्तमान परिस्थिति और सामाजिक दूरी के नियमों को ध्यान में रखते हुए, कला उत्सव, 2021 का आयोजन 'ऑनलाइन मोड' में किया जाएगा (कला उत्सव 2020 की भाँति)। ऑनलाइन प्रविष्टियों, प्रतियोगिताओं और अन्य विशिष्टताओं के लिए निर्धारित समय-सीमा के विषय में राज्यों के संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर सूचित किया जाएगा।

2.1 कला के प्रकार

कला उत्सव, 2021 पारम्परिक लोक कलाओं और शास्त्रीय कलाओं की विभिन्न शैलियों पर केन्द्रित होगा। प्रतियोगिता में निम्नलिखित 9 कलाओं को सम्मिलित किया जाएगा—

1. संगीत (गायन) – शास्त्रीय संगीत
2. संगीत (गायन) – पारंपरिक लोक संगीत
3. संगीत (वादन) – शास्त्रीय संगीत
4. संगीत (वादन) – पारंपरिक लोक संगीत
5. नृत्य – शास्त्रीय नृत्य
6. नृत्य – लोक नृत्य
7. दृश्य कला (द्वि-आयामी)

8. दृश्य कला (त्रि-आयामी)
9. स्थानीय खिलौने एवं खेल

2.2 पात्रता

सरकारी, गैर-सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय विद्यालयों के 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी कला उत्सव, 2021 में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक राज्य एवं संघ शासित प्रदेश में गैर-सरकारी विद्यालय एवं अन्य केंद्र सरकार के संस्थानों (जैसे — सी.टी.एस.ए./एन.सी.ई.आर.टी. के डेमोन्सट्रेशन मल्टीपर्पस स्कूल/रेलवे स्कूल, बी.एस.एफ./सी.आर.पी.एफ./आर्मी/एयर फोर्स/कैन्ट बोर्ड्स/एन.डी.एम.सी., इत्यादि) के विद्यालय अपने राज्य में ज़िला स्तर एवं राज्य स्तर की कला उत्सव प्रतियोगिता में राज्य/संघ शासित प्रदेश के अन्य विद्यालयों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

के.वि.सं. और न.वि.सं. अपने स्तर पर अपने विद्यालयों में प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और कला रूप में चयनित अपनी सर्वश्रेष्ठ टीमें राष्ट्रीय कला उत्सव की 9 कला श्रेणियों में भाग लेने के लिए भेजेंगे। इस प्रकार राष्ट्रीय कला उत्सव में कुल 38 दल (36 राज्य/संघ शासित प्रदेशों के और केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति का एक-एक दल) भाग लेंगे।

2.3 राष्ट्रीय कला उत्सव

कला उत्सव, 2021 का आयोजन ऑनलाइन मोड (Online mode) के माध्यम से लाइव (Live) किया जाएगा। आभासी मंच (Virtual platform) के विषय में प्रतियोगिताओं से पूर्व आवश्यक व्यवस्था कराने के लिए राज्य एवं संघ शासित प्रदेशों के नोडल अधिकारियों एवं के.वि.सं/न.वि.सं. के अधिकारियों को सूचना दे दी जाएगी। विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं की विस्तृत सूची नोडल अधिकारियों के साथ साझा की जाएगी और साथ ही साथ कला उत्सव की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी जाएगी।

सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों/के.वि.सं./न.वि.स. से आग्रह है कि वे कृपया नयी जानकारी के लिए कला उत्सव की वेबसाइट (http://www.kalautsav.in) को लगातार देखते रहें। विभिन्न राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.सं. के नोडल अधिकारी कला उत्सव के राष्ट्रीय आयोजकों की टीम के साथ व्हॉट्सअप के माध्यम से लगातार संपर्क में रहेंगे।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु कला के प्रत्येक क्षेत्र में, शिक्षकों या संबंधित कला के विद्वानों को संगठित कर हर एक कला का अलग निर्णायक मंडल गठित किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के दौरान निर्णायक मंडल प्रतिभागियों के साथ आभासी मंच (Virtual platform) पर ऑनलाइन माध्यम से परस्पर संवाद करेंगे।

2.4 प्रविष्टियाँ

प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.सं. की नौ श्रेणियों में एक छात्र एवं एक छात्रा की प्रविष्टि ही भेज सकते हैं। राष्ट्र स्तरीय कला उत्सव की प्रस्तुति/प्रतियोगिता केवल प्रामाणिक IX से XII के छात्र एवं छात्रा द्वारा संबंधित विद्यालय के अधिकारियों के निर्देशन में ही तैयार की जानी चाहिए। इन प्रस्तुतियों में किसी भी प्रकार के बाहरी, व्यावसायिक, पेशेवर कलाकार की भागीदारी स्वीकार्य नहीं होगी। कला उत्सव में एक विद्यार्थी केवल एक ही श्रेणी में भाग ले सकता है।

श्रेणीवत विवरण

क्र. सं.	श्रेणी	प्रविष्टि	विवरण
1.	संगीत (गायन) – शास्त्रीय संगीत	1 छात्रा, 1 छात्र	हिन्दुस्तानी/कर्नाटक संगीत
2.	संगीत (गायन) – पारंपरिक लोक संगीत	1 छात्रा, 1 छात्र	कोई भी शैली/उपभाषा
3.	संगीत (वादन) – शास्त्रीय संगीत	1 छात्रा, 1 छात्र	हिन्दुस्तानी/कर्नाटक संगीत
4.	संगीत (वादन) – पारंपरिक लोक संगीत	1 छात्रा, 1 छात्र	कोई भी पारंपरिक भारतीय वाद्य
5.	नृत्य – शास्त्रीय नृत्य	1 छात्रा, 1 छात्र	शास्त्रीय विधाएँ
6.	नृत्य – लोक नृत्य	1 छात्रा, 1 छात्र	किसी भी प्रान्त का पारंपरिक लोक नृत्य
7.	दृश्य कला (द्वि-आयामी)	1 छात्रा, 1 छात्र	ड्राइंग या पेंटिंग एवं प्रिंटमेकिंग
8.	दृश्य कला (त्रि-आयामी)	1 छात्रा, 1 छात्र	मूर्तिकला
9.	स्थानीय खिलौने एवं खेल	1 छात्रा, 1 छात्र	पारंपरिक खिलौने एवं खेल

इस प्रकार प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.सं. द्वारा अधिकतम अठ्ठारह प्रविष्टियाँ होंगी, जिनमें नौ छात्र और नौ छात्राएँ होंगी।

राष्ट्र स्तरीय प्रविष्टियों के तीन पूर्वापेक्षित बिन्दु निम्न हैं—

2.4.1 प्रविष्टियों हेतु प्रारूप – राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी प्रविष्टियाँ (परिशिष्ट I एवं II में दिए गए प्रारूप में) पूर्णत: भरकर तथा राज्य/सं.शा.प्र./के.वि.सं/न.वि.सं. के नोडल अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित कर जमा करना अनिवार्य है।

2.4.2 वीडियो फ़िल्म – राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए प्रत्येक श्रेणी में राज्य स्तरीय प्रविष्टि सम्बंधी प्रदर्शन की एक वीडियो फ़िल्म जमा की जाएगी। दृश्य कला श्रेणी (द्वि-आयामी, त्रि-आयामी एवं स्थानीय खिलौने) में वीडियो फ़िल्म के साथ कलाकृतियों के फ़ोटो भी भेजने होंगे। प्रतियोगिता स्थल पर कला उत्सव का बैकड्रॉप, कार्यक्रम का नाम, तिथि एवं स्थल का विवरण आवश्यक है। वीडियो में उपरोक्त बिन्दुओं की स्पष्टता सुनिश्चित करें। वीडियो की अधिकतम अवधि पाँच मिनट है। राष्ट्र स्तरीय प्रविष्टि होने के कारण, वीडियो को प्रारूप एवं सारांश के साथ संलग्न करें।

2.4.3 मूल पाठ सारांश (लेखन) – हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में अधिकतम सौ शब्दों का मूल पाठ सारांश (कंप्यूटर टाइप करा गया) प्रविष्टि के साथ अपलोड करें। मूल पाठ सारांश का फ़ोटो या छायाचित्र स्वीकार्य नहीं हैं। प्रतिभागी मूल पाठ सारांश में उनके द्वारा चयनित कला के उद्भव-स्थान, सम्बद्ध समूह, विशेष अवसर, वेशभूषा तथा उन कलाओं में संगत हेतु प्रयुक्त होने वाले वाद्य, मंच सज्जा हेतु वस्तुएँ, आस-पास के पर्यावरण से उसका संबंध, शैली, विधियों तथा सामग्रियों आदि का विवरण वांछनीय है। प्रतिभागी कलाकृति या प्रस्तुति आदि करते हुए अपने छायाचित्र (अधिकतम पाँच) को सारांश के साथ संलग्न कर सकते हैं।

2.5 पुरस्कार

प्रत्येक विजेता (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय) को नकद पुरस्कार*, ट्रॉफ़ी और एक मेडल प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक कला रूप में पुरस्कार राशि निम्नलिखित है —

प्रथम पुरस्कार	:	₹ 25,000/-
द्वितीय पुरस्कार	:	₹ 20,000/-
तृतीय पुरस्कार	:	₹ 15,000/-

** यह उल्लेख करना उचित होगा कि प्रत्येक कला रूप में जीती गई राशि राज्य शिक्षा विभाग के खाते में डिजिटली स्थानांतरित की जाएगी।*

3. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड

सभी नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी व्यक्तिगत रूप से प्रविष्टियों की जाँच करेंगे तथा परिशिष्ट I एवं II में दिए गए प्रपत्रों को भरकर अपलोड करने/भेजने से पूर्व उनका प्रमाणीकरण अवश्य करेंगे।

3.1 संगीत (गायन) – एकल प्रस्तुति

संगीत गायन की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी —

1. संगीत गायन – शास्त्रीय संगीत
2. संगीत गायन – पारंपरिक लोक संगीत

सामान्य सूचनाएँ

- प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- वेशभूषा, मंच सज्जा और मंच का साज-सामान, प्रस्तुति से संबंधित होना चाहिए।
- संगीत वाद्यों पर संगतकार विद्यालय के शिक्षक/विद्यार्थी हो सकते हैं।
- व्यावसायिक संगीत जगत के गीतों का प्रयोग वर्जित है।

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत (गायन) – शास्त्रीय संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	बंदिश/गीत के शब्दों का उच्चारण	सृजनशीलता	राग के नियम अनुसार प्रर्दशन	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत (गायन) – पारंपरिक लोक संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	उपभाषा का उच्चारण	वेशभूषा की प्रामाणिकता	मंच सज्जा सामग्री का उपयोग	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	15	05	15	100

3.2 संगीत (वादन) – एकल प्रस्तुति

वादन की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी —

1. संगीत (वादन) – शास्त्रीय संगीत
2. संगीत (वादन) – पारंपरिक लोक संगीत

सामान्य सूचनाएँ

- प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- वेशभूषा, मंच सज्जा और मंच का साज-सामान, प्रस्तुति से संबंधित होना चाहिए।
- संगत के लिए अन्य वाद्यों पर विद्यालय के शिक्षक/विद्यार्थी हो सकते हैं।
- पारंपरिक लोक संगीत हेतु केवल स्थानीय वाद्य यंत्रों का प्रयोग कर सकते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का प्रयोग वर्जित है।

मूल्यांकन प्रपत्र — वादन – शास्त्रीय संगीत

शैली की प्रामाणिकता	नियमानुसार वादन	लय	वाद्य की सुर गुणवत्ता	सृजनशीलता	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	15	20	100

मूल्यांकन प्रपत्र — वादन – पारंपरिक लोक संगीत

शैली की प्रामाणिकता	वादन में कलात्मकता	लय	वाद्य की सुर गुणवत्ता	वेशभूषा की प्रामाणिकता	मंच सज्जा सामग्री का उपयोग	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

3.3 नृत्य – एकल प्रस्तुति

नृत्य की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी —

1. नृत्य – शास्त्रीय
2. नृत्य – पारंपरिक लोक

सामान्य सूचनाएँ

- शास्त्रीय नृत्य विधाओं की श्रेणी में भरतनाट्यम, छऊ, कथक, सत्तरिया, कुचिपुड़ी, ओडिसी, मोहिनीअट्टम, कथकली एवं मणिपुरी नृत्य हैं।
- पारंपरिक लोक नृत्य की श्रेणी में किसी भी प्रांत का पारंपरिक लोक नृत्य है।
- नृत्य प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- नृत्य प्रस्तुति किसी भी श्रेणी/प्रकार की —पारंपरिक/शास्त्रीय/लोक/समकालीन हो सकती है।
- संगीत लाइव/पहले रिकॉर्ड किया गया हो सकता है।
- वेशभूषा और मेकअप साधारण, प्रामाणिक, विषयगत और प्रस्तुति के अनुरूप ही होने चाहिए। सेट, वेशभूषा की व्यवस्था राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.सं. के अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

मूल्यांकन प्रपत्र — नृत्य – शास्त्रीय

शैली की प्रामाणिकता	विवेचना	हाव-भाव	संगीत	रचनात्मकता	साज-सज्जा	वेशभूषा	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	10	15	15	15	10	10	15	100

मूल्यांकन प्रपत्र — नृत्य – पारंपरिक लोक

शैली की प्रामाणिकता	विवेचना	हाव-भाव	संगीत	रचनात्मकता	साज-सज्जा	वेशभूषा	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	10	15	15	15	10	10	15	100

3.4 दृश्य कला

दृश्य कला की प्रतियोगिता निम्न तीन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी—

1. दृश्य कला (द्वि-आयामी)
2. दृश्य कला (त्रि-आयामी)
3. स्थानीय खिलौने एवं खेल

सामान्य सूचनाएँ

- दृश्य कला (द्वि-आयामी) में कोई भी कलाकार्य जिसके साथ चित्रकला शब्द जुड़ा है, उसे द्वि-आयामी कलाकार्य ही माना जाएगा। उदाहरण के लिए, द्वि-आयामी चित्रकला, त्रि-आयामी चित्रकला, चट्टान एवं दीवार पर चित्रण, फर्श एवं ग्राउंड में किया गया चित्रण इत्यादि।
- त्रि-आयामी शिल्पकला में पर्यावरण अनुकूल सामग्री का प्रयोग अनिवार्य है।
- प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इस राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान ही मौके पर अपनी कलाकृति या आर्ट वर्क को पूरा करें।
- दृश्य कला प्रतियोगिताओं में अपने कार्य और कलाकृतियों को पूरा करने के लिए दो दिन का समय दिया जाएगा।
- नोडल अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह प्रतियोगिता के दूसरे दिन फ़ाइनल कलाकृति को दी गई वेबसाइट पर अपलोड करें।
- प्रतिभागी इच्छानुसार किसी भी सामग्री या माध्यम का प्रयोग कर सकते हैं।
- प्रतिभागी को निर्णायक मंडल के साथ ऑनलाइन बातचीत के लिए कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध होना अनिवार्य है। निर्णायक मंडल दोनों दिन प्रतिभागियों के काम का अवलोकन करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे।

- कला सामग्री की व्यवस्था राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.सं. के अधिकारियों द्वारा की जाएगी।
- दृश्यकला (द्वि-आयामी, त्रि-आयामी एवं स्थानीय खिलौनों) की आकृति एवं आकार व्यक्तिगत ज़रूरत के अनुसार तय किया जा सकता है। ऐसे परिमाण एवं आकार का चयन करें जो दो दिन में सम्पन्न हो सके।
- पारंपरिक खिलौने बनाने वाले प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वह खिलौने की कार्यात्मक सटीकता एवं मूल डिज़ाइन पर विशेष ध्यान रखें।
- खिलौने निम्नलिखित से संबंधित हो सकते हैं, (i) कृषि औज़ार एवं उपकरण (ii) पंचतंत्र की कहानियाँ, जातक कथाएँ, लोक कथाओं के चरित्र, जो प्रतिभागियों के नैतिक मूल्यों को बढ़ाने में सहायक हो सकें। खिलौने बनाने में प्रयोग की जाने वाली सामग्री, मूल खिलौने में प्रयोग की गई सामग्री से मेल खाती हो। यदि वह सामग्री उपलब्ध नहीं है, या प्रतिबन्धित है, तो प्रतिभागी स्थानीय एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- नोडल अधिकारी से यह अनुरोध है कि वे संपूर्ण आयोजन की रिकॉर्डिंग को अपने पास संभालकर रखें, ताकि निर्णायक मण्डल एवं राष्ट्रीय आयोजकों द्वारा माँगे जाने पर यह उन्हें उपलब्ध करायी जा सके।

मूल्यांकन प्रपत्र — दृश्य कला (द्वि-आयामी)

शैली	रचना	मौलिकता	शुद्धता/ बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

मूल्यांकन प्रपत्र — दृश्य कला (त्रि-आयामी)

शैली	उत्पाद की उपयोगिता	मौलिकता	शुद्धता/ बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

मूल्यांकन प्रपत्र — स्थानीय खिलौने एवं खेल

अनुभव	उत्पाद की उपयोगिता विकास एवं मूल्य	मौलिकता एवं प्रासंगिक रचनात्मकता	शुद्धता/ बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

4. राज्य एवं संघ शासित प्रदेश के सचिव और के.वि.सं. एवं न.वि.सं. आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व

सभी प्रविष्टियाँ उस राज्य एवं संघ शासित प्रदेशों के सचिव (शिक्षा) या उनके द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारी द्वारा स्वीकृत होनी आवश्यक होंगी। के.वि.सं. एवं न.वि.सं. के संबंध में प्रविष्टियाँ आयुक्त द्वारा स्वीकृत की जाएँगी। नोडल अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह स्वयं सभी प्रविष्टियों की जाँच करे तथा परिशिष्ट I और II में दिए गए घोषणा पत्र को राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में भेजने से पूर्व सत्यापित करे।

परिशिष्ट – I

राष्ट्रीय कला उत्सव, 2021 में प्रविष्टियाँ भेजने हेतु प्रारूप

(राज्य/सं.शा.प्र./के.वि.स./न.वि.सं. द्वारा राष्ट्र स्तरीय प्रतिभागिता में भेजने हेतु)

भाग क

सामान्य सूचनाएँ

1. राज्य/सं.शा.प्र./के.वि.सं./न.वि.सं. _____

2. प्रतिभागियों का विवरण –

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	लिंग (महिला/पुरुष)	विद्यालय का नाम, डाकीय पता, पिन कोड तथा विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/अनुदान प्राप्त/ के.वि.सं./न.वि.सं./ प्राइवेट विद्यालय)	कला श्रेणी
1.					
2.					

3. मान्य शिक्षक/अनुरक्षकों का वर्णन –

क्र. सं.	शिक्षक/ अनुरक्षक का नाम	पद	लिंग (महिला/पुरुष)	विद्यालय का नाम, डाकीय पता, पिन कोड तथा विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/अनुदान प्राप्त/ के.वि.सं./न.वि.सं./ प्राइवेट विद्यालय)	कला श्रेणी
1.					
2.					

4. हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में अधिकतम सौ शब्दों का मूल पाठ सारांश (कंप्यूटर टाइप करा हुआ) प्रविष्टि के साथ अपलोड करें। मूल पाठ सारांश का फ़ोटो या छायाचित्र प्रविष्टि स्वीकार्य नहीं हैं। (विस्तृत जानकारी हेतु पैरा 2.4.3 देखें।)
5. प्रस्तुतियों की वीडियो फ़िल्म एवं कला बनाने की क्रिया की वीडियो पाँच मिनट से अधिक की नहीं होनी चाहिए। (विस्तृत जानकारी हेतु पैरा 2.4.2 देखें।)

परिशिष्ट – II

घोषणा-पत्र

(राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. के द्वारा प्रदत्त घोषणा)

राष्ट्रीय कला उत्सव, 2021 में प्रतिभागिता के लिए समस्त प्रमाणित/अनुशासित प्रविष्टियाँ ..... कला श्रेणी, रा.शै.अ.प्र.प. (एन.सी.ई.आर.टी.) द्वारा प्रदत्त दिशानिर्देशों के अनुसार हैं।

मैंने व्यक्तिगत रूप से इन प्रस्तुतियों का अवलोकन किया एवं मैं प्रमाणित करता हूँ कि यह संस्तुत प्रविष्टियाँ राष्ट्रीय कला उत्सव, 2021 के दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं करती हैं।

दिनांक – 10/12/2021

स्थान – _____

मोहर के साथ हस्ताक्षर

** राज्य एवं संघ शासित प्रदेश की संबंधित प्रविष्टियों की संस्तुति/अनुशंसा, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के संबंधित सचिव (शिक्षा) द्वारा की जाएगी तथा के.वि.सं./न.वि.सं. से संबंधित प्रविष्टियों की संस्तुति/अनुशंसा, के.वि.सं./न.वि.स. के संबंधित आयुक्त द्वारा की जाएगी।*

10 दिसंबर 2021 तक परिशिष्ट I एवं II को पूर्णरूपेण भर कर, इन्हें निम्नलिखित ई-मेल आई-डी पर मेल किया जाना चाहिए— kalautsav.ncert@ciet.nic.in एवं इसी के साथ-साथ निम्नलिखित पते पर डाक से भी भेजना आवश्यक है—

सेवा में,

अध्यक्ष,

कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग, जी.बी. पन्त ब्लॉक,

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,

श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली – 110016

1. Kala Utsav—The Legacy

Kala Utsav is an initiative of the Department of School Education and Literacy, Ministry of Education (MoE), Government of India, launched in 2015, to promote arts in education, by nurturing and showcasing the artistic talent of school students in the country. The Ministry of Education recognises the importance of aesthetics and artistic experience of secondary-level students, which plays a major role in creating awareness about India's rich cultural heritage and its vibrant diversity. In the context of education of Arts (Music, Dance, Visual Arts and Crafts), the initiative is guided by the recommendations of the National Curriculum Framework 2005 (NCF-2005).

Kala Utsav has regularly been organised every year since year 2015, as a celebration of art forms in the school system. The District, State and National level Kala Utsav has been structured as an art festival to include performances and display of exhibits. The design of Kala Utsav helps the students explore, understand and showcase their artistic talent of practicing different art forms. This event gives students the opportunity to understand and celebrate cultural diversity at the school, district, state and national level. It not only spreads awareness among students, but also creates awareness about India's rich cultural traditions and their practice among different stakeholders. The traditions also show us the creative expansion from individual to the community, which contributes towards the overall development of the society. Further, this will also help to promote networking of artists, artisans and institutions with schools.

As an effort to mainstream students with special needs (differently abled and from diverse socio-economic backgrounds) and celebrating their abilities, Kala Utsav is envisaged as a fully integrated platform. It provides an opportunity and favourable environment to nurture and showcase the talents of Divyang children (Children With Special Needs) and helps in making learning more expressive, creative and joyful. Sharing the stage collectively by boys, girls, students from disadvantaged groups and Divyang children will be a precursor in breaking many existing stereotypes.

Kala Utsav is not a one-time activity but the beginning of a complete process of identifying, exploring, understanding, practicing, evolving and showcasing the artistic talent. It helps students in identifying and understanding our tangible and intangible cultural expressions. Once part of the process, the participants do not just perform a piece from their living traditions, but rather live that cultural experience. It helps in enhancing various skills of the participants and prepares them as ambassadors of our culture.

National Education Policy (NEP), 2020 emphasises on the promotion of arts and culture through education. The NEP states;

"Indian culture and philosophy have had a strong influence on the world. These rich legacies to world heritage must not only be nurtured and preserved for posterity but also researched, enhanced, and put to new uses through our education system."
(NEP, 2020).

It further highlights the importance of cultural exposure and cultural expression that a student should receive in order to develop a better sense of identity, belongingness as well as an appreciation for other cultures. NEP identifies this cultural understanding as a major competency required among children and suggests that art forms are the main medium for imparting this knowledge. It also points out the capacity of arts in enhancing the cognitive and creative ability of students. This vision of NEP has been incorporated in Kala Utsav, 2021 to create a platform to explore, exchange and experience the diverse cultural heritage of the country.

2. General Guidelines for Kala Utsav

Kala Utsav 2021 will be organised in the online mode (in the same manner as Kala Utsav 2020) considering the prevailing situation of COVID-19 pandemic and the social distancing norms. The timeline for online entries, competitions and other specifications will be communicated to the concerned State authorities as and when required.

2.1 ART FORMS

The focus of Kala Utsav 2021 will be in any of the styles of traditional folk and classical art forms. The following art forms will be included for competitions:

1. Vocal Music– Classical
2. Vocal Music– Traditional Folk
3. Instrumental Music– Classical
4. Instrumental Music– Traditional Folk
5. Dance– Classical
6. Dance– Folk
7. Visual Arts (2-dimensional)
8. Visual Arts (3-dimensional)
9. Indigenous Toys and Games

2.2 ELIGIBILITY

Students of Classes IX, X, XI and XII of any government, Government-aided and private school can participate in Kala Utsav 2021. Private schools and schools of other central government organisations/local bodies (like Central Tibetan School administration, Demonstration Multipurpose schools (DMS) of NCERT, Railways schools, BSF, CRPF, Army, Air force, Cantonment Boards NDMC, etc.) located in the State/Union Territory will participate at the district and state level competitions, along with the other schools of the State/UT. The KVS and NVS will hold competitions amongst the KVS and NVS and their winning teams will participate as two separate teams at the National Level. Thus, total teams participating in each of the 9 categories at the National Level will be 38 [36 States/UTs+ KVS+ NVS].

2.3 NATIONAL LEVEL KALA UTSAV

The National level Kala Utsav 2021 will be conducted live through virtual platform. Information of the virtual platform will be provided to the nodal officer of the concerned State/UT and to the KVS/NVS authorities for making necessary arrangements prior to the competitions. Schedule of the competitions in different categories will be shared with the nodal officers and shall also be flashed on Kala Utsav website, well in advance.

The State, UTs, KVS and NVS teams are advised to visit the Kala Utsav website (http://www.kalautsav.in) for the new announcements and status updates on regular basis. National team of organisers will be continuously in touch with the nodal officers of Kala Utsav 2021 from the States/UTs/KVS/NVS through active WhatsApp groups too.

For the national level competitions, in every area of arts, there will be a separate jury consisting of experts drawn from educators or practitioners or scholars of the respective art form. Members of the jury will remain same for all the competition days. The Jury will have interactions with the students during these competitions through virtual platform.

2.4 ENTRIES

The State/UTs, KVS and NVS can send one male and one female entry in each of the 9 categories. Entries for Online Kala Utsav, will have only those student performers who are studying in classes IX to XII and have prepared under the supervision of the school authorities. Participation of professional artists or performers is not allowed as entry. One student can participate only in one category.

Category wise details:

S. No.	Category	Entry	Specifications
1	Vocal Music – Classical	1 Female Student	Hindustani or Carnatic
		1 Male Student	
2	Vocal Music – Traditional Folk	1 Female Student	Any dialect or style
		1 Male Student	
3	Instrumental Music – Classical	1 Female Student	Hindustani or Carnatic
		1 Male Student	
4	Instrumental Music – Traditional Folk	1 Female Student	Any Indian traditional musical instrument
		1 Male Student	
5	Dance – Classical	1 Female Student	Classical forms
		1 Male Student	
6	Dance – Folk	1 Female Student	Traditional folk of any State
		1 Male Student	
7	Visual Arts (2-dimensional)	1 Female Student	Drawing or Painting and Print making
		1 Male Student	
8	Visual Arts (3-dimensional)	1 Female Student	Sculpture
		1 Male Student	
9	Indigenous Toys and Games	1 Female Student	Traditional Toys and Games
		1 Male Student	

Thus, every State, UT, KVS and NVS can submit total of 18 entries, that is; 9 male and 9 female participants.

Entries for the National level will have three components;

2.4.1 Proforma for submitting entries: Every entry is to be supported with the duly filled and signed proforma (given in Annexure – I and II) by the Nodal Officer of State/UT/KVS/NVS to ensure participation at National Level.

2.4.2 Video film: Video film of the State level performance in each category is to be submitted for the National level. In the Visual Art category (2D, 3D and Indigenous Toys and Games), pictures of the artwork should also be provided along with the video film. The Kala Utsav backdrop with the name of programme, date and venue should be displayed at all competition venues ensuring its visibility in the video. The maximum duration of the video film is 5 minutes. The video as part of the national level entry is to be uploaded along with the proforma and textual summary as given below.

2.4.3 Textual summary (write-up): The textual summary of not more than 100 words, computer typed in word document format either in Hindi or in English is to be submitted or uploaded with the entry. Image or photo of the texual summary is not acceptable. The summary will include details about the selected art form, the place of it's origin, communities involved, special occasions when the art form is practiced, costumes, accompanying instruments, props, relation of the art form with the environment, style, techniques, materials, etc. The textual summary can be supported with photographs (maximum 5) of participant in making of their art piece or of their performance, etc.

2.5 AWARDS

All the winners (1st, 2nd and 3rd) will be awarded with cash prize*, a trophy and medal. All participants will be given a certificate of National level participation. The cash awards in each artforms are as under:

First prize	:	₹ 25,000/-
Second prize	:	₹ 20,000/-
Third prize	:	₹ 15,000/-

** It would be pertinent to mention that the awarded cash prize would be digitally transferred to the account of State Education Department.*

3. Guidelines for National Level Competitions

All Nodal Officers should personally check the entries, fill up the Declaration Forms for the authentication as given in Annexure I and II and verify it before uploading and sending them for the National Level Competition.

3.1 VOCAL MUSIC SOLO

The competitions in Vocal Music will be conducted in the following two categories-

1. Vocal Music– Classical
2. Vocal Music– Traditional Folk

General Information

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Costumes, settings, props and properties should relate to the presentation.
- Any student or teacher can play instrument as accompanist with the main participant.
- Professional and commercial tracks are not allowed.

Evaluation Sheet — Vocal Music – Classical

Authenticity in Shaili	Sur/ Tone	Taal	Pronunciation of Lyrics	Creativity	Sequence of deliberation according to Raga	Overall Presentation	Total Marks
10	20	20	15	10	10	15	100

Evaluation Sheet — Vocal Music – Traditional Folk

Authenticity in Shaili	Sur/ Tone	Taal	Pronunciation of dialect	Authenticity of costume	Use of props	Overall Presentation	Total Marks
10	20	20	15	15	5	15	100

3.2 INSTRUMENTAL MUSIC SOLO

The competitions in Instrumental Music will be in the following two categories—

1. Instrumental Music— Classical
2. Instrumental Music— Traditional Folk

General Information

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- Costumes, settings, props and properties should relate to the presentation.
- Accompanying musical instruments can be played by a teacher or student.
- For traditional folk music, only indigenous musical instruments are allowed.
- Electronic or programmed musical instrument will not be allowed.

Evaluation Sheet — Instrumental Music – Classical

Authenticity in Shaili	Sequence of deliberation	Rhythm/ Pace	Tonal Quality	Creativity	Overall Presentation	Total Marks
10	20	20	15	15	20	100

Evaluation Sheet — Instrumental Music – Traditional Folk

Authenticity in Shaili	Style of presentation	Rhythm	Tonal Quality	Authenticity of costume	Use of props	Overall Presentation	Total Marks
10	20	20	15	10	10	15	100

3.3 DANCE SOLO

The competition in Dance will be conducted in the following two categories—

1. Dance— Classical
2. Dance— Traditional Folk

General Information

- Classical dance forms include Bharatanatyam, Chhau, Kathak, Sattriya, Kuchipudi, Odissi, Mohiniattam, Kathakali, and Manipuri.
- Traditional folk dance will be traditional folk of any State or region.
- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- The performance can be on any shaili or style of the state or region.
- Music can either be live or recorded.
- Costumes and make-up should be simple, authentic, thematic and related to the presentation. Sets and costumes, etc., are to be arranged by the State/UT/KVS/NVS authorities.

Evaluation Sheet — Dance – Classical

Authenticity of Style	Delibera-tion	Expression	Music	Creativity	Make up	Costume	Overall Presentation	Total Marks
10	10	15	15	15	10	10	15	100

Evaluation Sheet — Dance – Folk

Authenticity of Style	Delibera-tion	Expression	Music	Creativity	Make up	Costume	Overall Presentation	Total Marks
10	10	15	15	15	10	10	15	100

3.4 VISUAL ARTS

The competition in Visual Arts will be conducted in the following three categories—

1. Visual Arts (2- dimensional)
2. Visual Arts (3- dimensional)
3. Indigenous Toys and Games

General Information

- Visual arts (2-D) will include drawing or painting and print making. Any artwork which includes painting will be considered in 2-D category of visual arts. For example 2-D painting, 3-D painting, rock painting, wall painting, floor painting etc.
- Visual arts (3-D) will include sculpture using any eco-friendly 3-D material.
- The participants are expected to complete their art work on the spot during the national level competition. Artwork made earlier is not allowed.
- Visual arts competition will be given two days to complete the art work.
- Nodal officer is required to upload the quality pictures of the final art work on day two, at the given site/address.
- The participants are free to use any medium and material of their choice.

- The participants should be available at the venue for online interaction with the Jury. The Jury will observe the participants and interact with them on both the days.
- The arrangements of the art material should be done by the State/UT/NVS/KVS authorities.
- The size of Visual Art work 2-D, Visual Art work 3-D and Indigenous Toys should be as per the individual need. It is advised to have a manageable size which can be completed in two days.
- In Indigenous Toys, the participant is expected to focus on the functional accuracy and original design of the toy or game.
- The toy making can relate to (i) agricultural implements and tools (ii) characters of Panchatantra, Jataka tales and Folk tales which help in enhancing moral values. Materials to be used should be same as of the original toy being reproduced. In case the material used in toy originally is not available or banned, the participant can use eco friendly material available locally.
- The nodal officer is requested to keep recording of the making process intact with them and make it available to the Jury or national organisers on request.

Evaluation Sheet — Visual Arts (2-dimensional)

Style	Composition	Originality	Fineness	Technique	Overall impact	Presentation/ Narration	Total Marks
10	15	20	10	10	15	20	100

Evaluation Sheet — Visual Arts (3-dimensional)

Style	Utility of the product	Originality of Style	Finishing	Technique/ Skill	Overall impact	Presentation/ Narration	Total Marks
10	15	20	10	10	15	20	100

Evaluation Sheet — Indigenous Toys and Games

Experience	Utility/ Development value of the product	Originality and contextual creativity	Finishing	Technique/ Skill	Overall impact	Presentation/ Narration	Total Marks
10	15	20	10	10	15	20	100

4. Role and Responsibilities of the State/UT Secretary and KVS and NVS Commissioners

Each of the entries from States and UTs shall be approved by the Secretary, Education and in respect of KVS and NVS, they shall be approved by the respective Commissioner. The Nodal officer should personally check the entries, fill up the Declaration forms for the authentication as given in Annexure I and II and verify it before uploading and sending them for the national level competitions.

Annexure— I

PROFORMA FOR SUBMITTING ONLINE KALA UTSAV-2021

ENTRIES

(To be sent by the State/UT/ KVS/ NVS to participate at National Level)

Section A

General Information

1. Name of the State/UT/KVS/NVS: _____

2. Details of the Participating Team:

S.No.	Name of the Student	Class	Sex (Male/ Female)	Name of the School, Address with PIN code and Type of the school (Government/ Government aided/ KVS/NVS/Private School/other)	Name of the Art Form/ Category
1.					
2.					

3. Details of the Teacher/Mentor:

S.No.	Name of the Teacher /Mentor	Designation	Sex (Male/ Female)	Name of the School, Address with PIN code and Type of the school (Government/ Government aided/ KVS/ NVS/Private School/other)	Name of the Art Form/ Category
1.					
2.					

4. The textual summary of not more than 100 words, computer typed in word document format either in Hindi or in English is to be submitted or uploaded with the entry. Image or photo of the texual summary is not acceptable. (For details refer to para 2.4.3)

5. Video film of the presentation and process of the art form of not more than 5 minutes. (For details refer to para 2.4.2)

Annexure— II

DECLARATION

(By the State/UT /KVS/NVS)

All the entries submitted for the National Level Kala Utsav, 2021 for _____ category, are as per the guidelines provided by the NCERT.

I have personally seen the presentations and I certify that they do not violate the Kala Utsav Guidelines.

Signature with seal

Dated: 10/12/2021

Place: _____

** In case of State and UT declaration will be given by Secretary (Education). In case of KVS and NVS, respective Commissioner will give the declaration.*

After filling up Annex I and II the entries for National Kala Utsav, 2021 should be mailed at: kalautsav.ncert@ciet.nic.in before December 10, 2021 and be sent to the following address by post:

To

The Head,

Department of Education in Arts and Aesthetics,

G. B Pant Block,

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurbindo Marg, New Delhi 110016

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING